1. प्राण सूखना - डर लगना

⇒ आतंकवादियों को देखकर गाँव वालों के प्राण सूख गए

2. हँसी-खेल होना - मोटा बात

⇒ जंगल में अकेले जाना कोई हँसी-खेल नहीं होता।

3. आँखें फोड़ना - ध्यान से पढ़ना

⇒ कक्षा में प्रथम आने के लिए निखिल आँखें फोड़कर पढ़ाई करता है।

5. गाढ़ी कमाई - मेहनत की कमाई

⇒ तुम तो अपनी गाढ़ी कमाई पुएँ में डाल रहे हो ।

6. जिगर के टुकड़े - टुकड़े होना - दिल पर बड़ी आघात लगना

⇒ बेटे की मृत्यु की खबर सुनकर माता - पिता के जिगर के टुकड़े - टुकड़े हो गया ।

6. हिम्मत टूटना - साहस समाप्त होना

⇒ परीक्षा में असफल होने पर पिता की हिम्मत टूट गई

7. जान तोड़ मेहनत करना - खूब परिश्रम होना

⇒ मैच जीतने के लिए सभी खिलाड़ियों ने जान - तोड़कर मेहनत की

8. दबे पाँव आना - चोरी - चोरी आना

⇒ चोर ने दबे पाँव आकर घर का सारा सामान साफ कर दिया ।

9. घुड़कियाँ खाना - डाँट - डपट सहना

⇒ बड़े भाईसाहब की घुड़कियाँ खाकर अचानक छोटेभाई ने मुँह फेर लिया ।

Date
Page

10. आड़े हाथों लेना - कठोरतापूर्ण व्यवहार करना

→ गलती करके पकड़े जाने पर माता पिता पुत्र को आड़े हाथों

11. घाव पर नमक छिड़कना - दुखी को और दुखी करना

→ एक तो वह पहले से ही दुखी है, तुम उसे चिढ़ाकर उसके घाव पर नमक क्यों छिड़क रहे हो।

12. तलवार खींचना - लड़ाई के लिए तैयार रहना

→ छोटे भाई को गुंडों से पिटता देखकर बड़े भाई ने तलवार खी

13. अंधे के हाथ बटेर लगना - अयोग्य को कोई महत्वपूर्ण वस्तु मिलना

→ अनपढ़ श्याम की सरकारी नौकरी लग गई। ऐसा लगता है जैसे अंधे के हाथ बटेर लग गई।

14. चुल्लूभर पानी देने वाला - कठिन समय में साथ देने वाला

→ अगर तुम किसी की मदद नहीं करोगे तो तुम्हें भी कोई बाद में चुल्लू भर पानी देने वाला नहीं मिलेगा।

15. दाँतों पसीना आना - अधिक परेशानी उठाना

⇒ शादी वाले घर में इतने काम होते हैं कि जिन्हें दातों पसीना आ जाता है।

16. लोहे के चने चबाना - बहुत कठिनाई उठाना

⇒ कक्षा में प्रथम आने के लिए करन को पीछे करना लोहे के चने चबाना जैसा है।

17. चक्कर खाना - भ्रम में पड़ना

⇒ रवि - चेतन की एक जैसी शक्ल देखकर तो चक्कर खा

18. आटे-दाल का भाव मालूम होना - कठिनाई का अनुभव होना

⇒ दोस्तों के पैसे पर ऐश करने वाली को जब स्वयं कमाना पड़ता है तब उन्हें दाल का भाव मालूम होता है।

19. जमीन पर पाँव न रखना - बहुत खुश होना

⇒ बेटे की सफलता देखकर उसके माता-पिता जमीन पर पाँव न रख रहे

20. हाथ-पाँव फूल जाना - परेशानी देखकर घबरा जाना।

⇒ मनोज की नौकरी छूटे निकाल जाने पर पत्नी के हाथ-पाँव फूल जाना

२१. रंग दिखाना - प्रभाव या स्वरूप दिखाना

→ कठिनाई के समय मदद न करके न करके देव ने अपना रंग दिखा दिया

२२. ठंडा पड़ना - ~~प्रभाव या स्वरूप दिखाना~~ ढीला पड़ना

→ शादी की तैयारियाँ अभी पूरी भी नहीं हुई हैं। पता नहीं घर वाले इतने ठंडे क्यों पड़ गए हैं।

२३. टूट जाना - बिखर जाना

→ बड़े भाईसाहब की खबर सुनकर पूरा परिवार बिखर गए

२४. रंग दिखना - अपनी असलियत दिखाना

→ जब तक भाई जीवित था रमेश ने भतीजों से प्रेम बनाये रखा किन्तु भाई कि मृत्यु होने ही उसने अपना रंग दिखा

२५. टूट जाना - हिम्मत टूटना, बिखर जाना

→ भाई ~~[illegible]~~ दसवी परीक्षा में फेल होने के कारण वो और माता-पिता के आशा टूट गए।

२६. कमर कसना - (दृढ़ निश्चय करना)

→ इस बार कक्षा दस के छात्रों ने परीक्षा में प्रथम श्रेणी लाने के लिए कमर कस ली है।

२७. कमर टूटना - अत्यधिक बेचैनी अनुभव करना

→ दुकान में आग लगने से दुकानदार की तो कमर ही टूट गई

२८. कलेजा फटना - घोर दुःख होना

→ बिहार के बाढ़ पीड़ितों की दशा देखकर हमारा कलेजा फटने लगा

२९. कलेजे पर पत्थर रखना - कड़ा जी करना

→ सम्पूर्ण सम्पत्ति लुट जाने पर उन्होंने कलेजे पर पत्थर रख लिया।

३०. कान काटना - चतुराई भरे कार्य करना

→ ~~अच्छे - अच्छे रथी मारे घबराये हैं, तुम किस~~ खेत।

→ छोटे पर भी वह बड़े-बड़े के कान काट रहा है